⊙SUBJECT:- HINDI (हिंदी)

⊙Day -- Monday

⊙Date -- 12/07/2021

⊙Page NO.- 19

⊙पाठ- 11 :- ताई ⊙

⊙**पाठ-प्रवेश**:: प्रस्तुत पाठ में एक ऐसी स्त्री की मनोदशा को अभिव्यक्त किया गया है,, जो निस्संतान है। इस कहानी में उस [redacted] स्त्री का या के देवरानी के बच्चों के प्रति स्वाभाविक प्रेम और घृणा दोनों भावों का अनूठा प्रस्तुतीकरण किया गया है।

⊙**पाठ-उद्देश्य**::
- ⊙ प्रेम का भाव जाग्रत करना।
- ⊙ बाल-- मनोवृत्ति से अवगत करना।
- ⊙ घृणा के परिणाम से अवगत कराना।
- ⊙ बच्चों के प्रति कोमल व्यवहार को प्रोत्साहन देना।

⊙ शब्दार्थ ⊙

दम भर -- कुछ देर
द्वेष -- घृणा
वृथा -- बेकार
कर्कश -- कठोर
सतृष्ण -- प्यासा,, इच्छुक
कल -- चैन
हतप्रभ -- जिसकी काँति क्षीण हो गई हो

⊙ अर्द्धांगिनी -- पत्नी
⊙ शुष्क -- रूखा
⊙ चुहलबाजी -- ठिठोली,, हँसी
⊙ प्रतीत -- मालूम
⊙ भृकुटी -- भौंह
⊙ बलिश्त -- बित्ता
⊙ निगोड़ा -- दुष्ट,, अभागा

⊙प्रश्नों के उत्तर⊙

[1] निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ::

(क) बाबू रामजीदास बच्चों के लिए क्या लेकर आए?

→ बाबू रामजीदास बच्चों के लिए एक रेलगाड़ी लेकर आए।

(ख) बाबू रामजीदास और उनकी पत्नी आपस में क्यों लड़ते थे?

→ बाबू रामजीदास अपने छोटे भाई के बच्चों पर बड़ा स्नेह रखते थे,, लेकिन उनकी पत्नी उन्हें पसंद नहीं करती थीं,, इसी बात पर दोनों हमेशा आपस में लड़ते थे।

(ग) रामेश्वरी ने मनोहर को बचाने में देर क्यों लगाई?

→ रामेश्वरी के मन में आया कि अच्छा है,, मरने दो,, सदा का पाप कट जाएगा,, इस कारण उसने मनोहर को बचाने में देर लगाई।

Scanned with CamScanner

(घ) रामेश्वरी बुखार में क्या प्रलाप करती थीं?
→ रामेश्वरी बुखार में यह प्रलाप करती थीं की बेटा मनोहर,, मैनें तुझे नहीं बचाया ,, मे चाहती तो बचा सकती थी।

(ङ) रामेश्वरी को किस बात का दुख था?
→ रामेश्वरी को अपनी संतानहीनता का दुख था।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए ::
(क) बच्चों के प्रति रामेश्वरी का व्यवहार कैसा था?
→ बच्चों के प्रति रामेश्वरी का व्यवहार रूखा था।

(ख) बाबू रामजीदास की आर्थिक स्थिति कैसी थी?
→ बाबू रामजीदास धनी आदमी थे।

(ग) रामेश्वरी को किस बात का बड़ा दुख था?
→ [redacted] उसे मतलब रामेश्वरी की कोई संतान नहीं थी।

(घ) रामेश्वरी का हृदय कैसे परिवर्तित हुआ?
→ मनोहर की दुर्घटना के लिए रामेश्वरी स्वयं को ज़िम्मेदार मान रही [redacted] थीं। इस बात से [redacted] उसका या उनका हृदय परिवर्तित होगया।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तार से उत्तर लिखिए ::

(क) "तुम्हारा हृदय न जाने किस धातु का बना है"-- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
→ इस पंक्ति का आशय यह है,, की बच्चों की [redacted] प्यारी-प्यारी बातें सुनकर सबका मन प्रसन्न हो जाता है,, परंतु रामेश्वरी का [redacted] हृदय किसी [redacted] धातु के समान कठोर हैं,, इसलिए वे बच्चों की बातों से प्रसन्न नहीं होती।

Scanned with CamScanner

⊙Day--Monday....

⊙Date--12/07/2021....

(ख) रामेश्वरी की मानसिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

⇢ रामेश्वरी को संतानहीनता का बड़ा दुख था। उनके पति छोटे भाई के बच्चों पर स्नेह रखते थे,, यह बात भी रामेश्वरी की आँख में काँटे की तरह खटकती थी। वे बच्चों के लिए तरस रही थीं,, पर दूसरे की संतान [redacted] को अपना मान्ने के लिए तैयार नहीं थीं।

(ग) बाबू रामजीदास की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

⇢ बाबू रामजीदास निसंतान थे,, पर उन्हें इस बात का (मूल्यपरक प्रश्न) अधिक दुख नहीं था। वे अपने छोटे भाई कृष्णदास की संतान को ही अपनी संतान समझते थे। वे अपनी पत्नी रामेश्वरी को भी ऐसा करने के लिए समझाते थे।

.......XXXXXXXXXXX.........